हिन्दी प्रादेशिक समाचार

आकाशवाणी चंडीगढ़

तिथि 13 मई 2025 **समय 1315**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद आतंकवाद से मुकाबले के लिए भारत की अटूट वचनबद्धता का उल्लेख किया है। प्रधानमंत्री ने कल शाम राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया भारत की क्षमताओं को देख चुकी है, अब यह स्पष्ट हो चुका है कि आतंकवादी अब बख्शे नहीं जाएंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवादी गुटों और उनके समर्थकों को एक स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत और उसके नागरिकों पर होने वाले किसी हमले का पूरी ताकत से जवाब दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत पाकिस्तान से आतंकवाद और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर- को छोड़कर किसी अन्य मुद्दे पर बातचीत नहीं करेगा।

अगर पाकिस्तान से बात होगी, तो टैररिज्म पर ही होगी। अगर पाकिस्तान से बात होगी, तो पाक ऑक्यूपाइड कश्मीर-पीओके, उस पर ही होगी। पाकिस्तानी फौज, पाकिस्तान की सरकार, जिस तरह आतंकवाद को खाद-पानी दे रहे हैं, वो एक दिन पाकिस्तान को ही समाप्त कर देगा। पाकिस्तान को अगर बचना है, तो उसे अपने टैरर इन्फ्रास्ट्रक्चर का सफाया करना ही होगा। इसके अलावा शांति का कोई रास्ता नहीं है।

प्रधानमंत्री ने भारत के दृढ़ रुख की पुष्टि करते हुए कहा कि आतंक और बातचीत एक साथ नहीं हो सकती।

भारत का मत एकदम स्पष्ट है। टैरर और टॉक एक साथ नहीं हो सकते। टैरर और ट्रेड एक साथ नहीं चल सकते और पानी और खून भी एक साथ नहीं बह सकता।

प्रधानमंत्री ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर को अभी अस्थायी रूप से स्थगित किया गया है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में हम पाकिस्तान के हर कदम को इस कसौटी पर मापेंगे कि आतंकवाद को लेकर वह क्या रवैया अपनाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक नाम नहीं है, ये देश के करोड़ों लोगों की भावनाओं का प्रतिबिंब है।

प्रधानमंत्री ने घोषणा की है कि ऑपरेशन सिंदूर आतंक के विरूद्ध लड़ाई में भारत की स्थापित नीति है।

पहला, भारत पर आतंकी हमला हुआ, तो मुहतोड़ जवाब दिया जाएगा। दूसरा, कोई भी न्यूक्लियर ब्लैकमेल भारत नहीं सहेगा। तीसरा, हम आतंकी सरपरस्त सरकार और आतंक के आकाओं को अलग-अलग नहीं देखेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने पाकिस्तान का घिनौना सच फिर से तब देखा, जब मारे गए आतंकवादियों को विदाई देने पाकिस्तानी सेना के बड़े-बड़े अफसर उमड़ पड़े। उन्होंने कहा कि आतंकवाद प्रायोजक देश का ये बहुत बड़ा सबूत है।

प्रधानमंत्री ने सशस्त्र बलों, सेना, खुफिया एजेंसियों और वैज्ञानिकों को सलाम किया। उन्होंने ऑपरेशन के दौरान सशस्त्र बलों की वीरता, शौर्य और साहस को देश की प्रत्येक माता, बहन और बेटी को समर्पित किया।

****

****

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड ने 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया है। परीक्षा परिणाम 85.66 फीसदी रहा। छात्राओं की पास प्रतिशतता 89.41 और छात्रों की पास प्रतिशतता 81.86 रही। इसके अलावा 12वीं कक्षा की स्वयंपाठी परीक्षार्थियों का परिणाम 63.21 फीसदी तथा ओपन स्कूल का 36.35 व ओपन स्कूल रिअपीयर का परिणाम 49.93 प्रतिशत रहा।बोर्ड के अध्यक्ष डा. पवन कुमार ने आज भिवानी में एक पत्रकार वार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया -

डॉ पवन कुमार ने बताया कि छात्राओं ने छात्रों से 7.55 फीसदी ज्यादा पास प्रतिशतता दर्ज की है। उन्होंने बताया कि इस परीक्षा में राजकीय विद्यालयों की पास प्रतिशतता 84.67 तथा निजी विद्यालयों की पास प्रतिशतता 86.98 रही है। उन्होंने बताया कि पास प्रतिशतता में जिला जींद अव्वल तथा जिला नूंह सबसे नीचे रहा।परिणाम हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध है।